हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, बुधवार 7 अक्टूबर 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप



मां सिंहवाहिनी मंदिर में भारी खेल

शहडोल। प्रसिद्ध और सुरम्य दर्शन स्थल मां सिंहवाहिनी मंदिर मठिया न्यास में इन दिनों भक्ति से ज्यादा मुक्ति का खेल खेला जा रहा है, जहां एक तरफ आम श्रद्धालु मंदिर में मत्था टेककर सुख-समृद्धि की मन्नतें मांगते हैं, वहीं दूसरी तरफ मंदिर के न्यास (ट्रस्ट) में बैठे साहबान और प्रशासन के कारिंदे मिलकर मंदिर के खजाने और पदों का जमकर बंदरबांट कर रहे हैं। मठिया, कोलुहा, चन्द्रपुर और राघोपुर के स्थानीय लोग अब तक पूजा-अर्चना और सेवा करते रह गए, और मलाई काटने के लिए 50-60 किलोमीटर दूर बैठे खास लोगों की रातों-रात एंट्री करा दी गई।माँ सिंहवाहिनी मंदिर न्यास से सालाना लगभग 10 से 12 लाख रुपये की गाढ़ी कमाई होती है, लेकिन ताज्जुब की बात यह है कि 1997 में न्यास का पंजीयन होने के बाद से आज तक मंदिर में प्राप्त आय-व्यय का कोई कैशबुक ही नहीं बना है। जब भी आम जनता या स्थानीय ग्रामीण आय-व्यय का हिसाब मांगते हैं, तो न्यास के कर्ता-धर्ता बगलें झांकने लगते हैं और हिसाब का पर्चा गायब कर दिया जाता है। लाखों रुपये का हिसाब किसके जेब में जा रहा है, यह जांच का विषय है।लोकतंत्र की दुहाई देने वाले प्रशासन की छत्रछाया में इस न्यास में पिछले 20 सालों से कोई आम चुनाव ही नहीं कराया गया, एक ही अध्यक्ष फेविकोल का जोड़ लगाकर कुर्सी पर जमे हुए हैं। कमाल की बात तो यह है कि वर्ष 2006-07 में तत्कालीन नायब तहसीलदार/कार्यकारी न्यासधारी द्वारा 7 नए न्यासियों की नियुक्ति तो की गई थी, लेकिन फिर ऐसा क्या जादू हुआ कि उन नियुक्तियों को रातों-रात निरस्त कर दिया गया और पूरी फाइल ही गायब कर दी गई।नियम-कानून कहते हैं कि मां सिंहवाहिनी मंदिर के न्यासियों की नियुक्ति मंदिर प्रांगण में आम सभा बुलाकर पारदर्शी तरीके से की जानी चाहिए, लेकिन हाल ही में जुलाई माह के पूर्व तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी जैतपुर एवं तत्कालीन तहसीलदार जैतपुर ने चोर-दरवाजे से गुपचुप तरीके से नई नियुक्तियां कर डालीं, स्थानीय लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगने दी गई।अब मठिया, कोलुहा, चन्द्रपुर, राघोपुर एवं कचहर के आक्रोशित ग्रामवासियों, सरपंचों और जनपद सदस्यों ने इस तानाशाही, वित्तीय अनियमितता और मनमानी के खिलाफ हुंकार भर दी है। ग्रामीणों ने एकजुट होकर कलेक्टर, संभागायुक्त और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि न्यासियों की गुपचुप और अवैध नियुक्तियों की निष्पक्ष जांच हो। पिछले सालों के 10-12 लाख की वार्षिक आय-व्यय का ऑडिट कराया जाए। मंदिर में व्याप्त भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े और तानाशाही खत्म कर पारदर्शी तरीके से स्थानीय लोगों को जिम्मेदारी सौंपी जाए।

बनने से पहले ही दरकने लगीं नहरें



शहडोल। जिले की जनपद पंचायत बुढ़ार के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मोहतरा और नौगंवा के किसान इन दिनों शासन-प्रशासन की उपेक्षा और सिंचाई परियोजना में व्याप्त अनियमितताओं से बेहद आक्रोशित हैं। वर्ष 2018 में मोहतरा जलाशय और बांध निर्माण के नाम पर किसानों की उपजाऊ भूमि अधिग्रहित की गई थी। आठ वर्ष बीत जाने के बाद भी दर्जनों प्रभावित किसानों को अब तक उनकी अधिग्रहित भूमि का पूर्ण और न्यायसंगत मुआवजा प्राप्त नहीं हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि बांध और नहर निर्माण कार्य में तय मानकों तथा तकनीकी गुणवत्ता की खुलेआम अनदेखी की गई है। निर्माण कार्य अभी पूरी तरह संपन्न भी नहीं हुआ है, लेकिन उससे पहले ही नहरों के टूटने और क्षतिग्रस्त होने की तस्वीरें सामने आने लगी हैं। घटिया निर्माण सामग्री के प्रयोग और आधी-अधूरी संरचना के कारण किसानों को बांध का अपेक्षित लाभ मिलना तो दूर, उनके खेतों पर संकट मंडराने लगा है।पीड़ित किसानों और ग्रामीणों ने एकजुट होकर जिलाधिकारी (कलेक्टर) शहडोल को ज्ञापन प्रेषित किया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि वर्ष 2018 से लंबित पड़े भूमि अधिग्रहण के मुआवजे की पारदर्शी जांच कराकर पात्र किसानों को तुरंत भुगतान कराया जाए। मोहतरा बांध एवं नहर निर्माण की किसी स्वतंत्र तकनीकी दल से सूक्ष्म जांच कराई जाए। निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, स्वीकृत लागत पत्रक, तकनीकी स्वीकृति, माप पुस्तिका और भुगतान अभिलेखों की गहनता से पड़ताल हो।

ब्यौहारी के शिविर में जिला पंचायत सदस्य ने अधिकारियों के सामने ही रखी व्यवस्था की हकीकत

प्रशासन के नुमाइंदे बैठे रहे, मंच से खुलती रही सरकारी अभियान की पोल

15 दिन पुराने आवेदनों का मांगा हिसाब

शहडोल। ब्यौहारी में आयोजित सरकारी शिविर में उस समय प्रशासनिक व्यवस्था की जमीनी तस्वीर सामने आ गई, जब जिला पंचायत सदस्य दुर्गेश तिवारी ने मंच पर मौजूद कलेक्टर डॉ. संजय अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति सहित पुलिस, प्रशासन और राजस्व विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में शिविरों की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल उठाए। तिवारी ने अपने संबोधन में 15 दिन पहले ब्यौहारी में आयोजित शिविर का हवाला देते हुए वहां प्राप्त आवेदनों और उनके निराकरण की स्थिति बताने की मांग की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण आवेदन देकर चले जाते हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं होता और बाद में जनता जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगती है।

15 दिन पुराने शिविर का मांगा हिसाब

दुर्गेश तिवारी ने मंच से कहा कि ब्यौहारी में 15 दिन पहले शिविर लगाया गया था। पूरे ब्लॉक और क्षेत्र से ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे। बड़ी संख्या में आवेदन भी दिए गए थे। अब यह बताया जाना चाहिए कि उन आवेदनों में कितनों का निराकरण किया गया। उन्होंने अधिकारियों से पूर्व में आयोजित शिविर की उपलब्धि बताने को कहा और यह भी स्पष्ट किया कि कितने आवेदन प्राप्त हुए तथा कितने मामलों में वास्तविक कार्रवाई हुई।

आवेदन लेकर चले जाते हैं अधिकारी

तिवारी ने कहा कि ग्रामीण अपनी समस्या लेकर शिविर में आते हैं, कागज देते हैं और अधिकारी-कर्मचारी आवेदन लेकर चले जाते हैं। इसके बाद ग्रामीणों को यह पता नहीं चलता कि उनके आवेदन पर क्या कार्रवाई हुई। उन्होंने कहा कि अधिकारी चले जाते हैं, लेकिन ग्रामीणों के बीच जनप्रतिनिधि रह जाते हैं। जनता उनके पास आकर पूछती है कि आवेदन दिया था, उसका क्या हुआ। ऐसी स्थिति में जनप्रतिनिधि जनता को क्या जवाब दें।

ग्रामीणों ने भी बताई अपनी परेशानी

अपने संबोधन के दौरान तिवारी ने मौजूद ग्रामीणों से सीधे पूछा कि उनके काम हो रहे हैं या नहीं। ग्रामीणों की ओर से जवाब आया



कि उनके काम नहीं हो रहे हैं। श्री तिवारी ने कहा कि लगातार आवेदन लेने के बावजूद यदि समस्याएं बनी हुई हैं तो केवल आवेदन लेना पर्याप्त नहीं है। आवेदन का निराकरण होना जरूरी है और संबंधित व्यक्ति को उसकी जानकारी भी मिलनी चाहिए।

सामान्य कामों तक सीमित शिविर पर सवाल

जिला पंचायत सदस्य ने शिविर में किए जा रहे कार्यों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड के पंजी बांटना जैसे सामान्य कार्य सरपंच और सचिव के स्तर पर भी किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य उन समस्याओं का निराकरण होना चाहिए, जिनके लिए ग्रामीणों को राजस्व कार्यालय, तहसील, ब्लॉक और जिला मुख्यालय तक जाना पड़ता है। तिवारी ने राजस्व विभाग से जुड़ी समस्याओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण जब राजस्व संबंधी मामलों को लेकर कार्यालय पहुंचते हैं तो उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों से भी इसकी पुष्टि की, जिस पर ग्रामीणों की ओर से सहमति में आवाजें सुनाई दीं। अपने संबोधन में उन्होंने राजस्व संबंधी कार्यों में पैसे मांगे जाने की शिकायतों का भी उल्लेख किया। हालांकि कार्यक्रम के दौरान लगाए गए इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी घेरा

तिवारी ने मंच पर मौजूद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि ग्रामीणों को जांच और उपचार के लिए शहडोल ही भेजा जाना है तो स्थानीय स्तर पर आयोजित शिविर का उद्देश्य पूरा नहीं होता। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को इलाज के लिए जिला मुख्यालय जाना पड़ता है तो उन्हें अतिरिक्त समय और किराया खर्च करना पड़ता है। स्थानीय शिविर में ही आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की जरूरत है।

सरकारी अभियान और जमीनी हकीकत के बीच अंतर

जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि सरकार की ओर से गांव-गांव शिविर लगाने का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके घर के नजदीक सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है। लेकिन यदि ग्रामीणों को आवेदन देने के बाद भी उन्हीं समस्याओं के लिए दोबारा अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ें तो अभियान का उद्देश्य प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि ऊपर से देखने पर शिविर में सब कुछ व्यवस्थित दिखाई दे सकता है, लेकिन मौके पर मौजूद ग्रामीणों से उनकी वास्तविक समस्या पूछने पर स्थिति सामने आती है।

15 दिन में निराकरण की मांग

तिवारी ने अधिकारियों से मांग की कि शिविर में प्राप्त आवेदनों का 15 दिन के भीतर निराकरण किया जाए। जो मामले नियमों के तहत निराकरण योग्य हैं, उनका समाधान किया जाए और जिन मामलों का निराकरण संभव नहीं है, संबंधित आवेदक को उसका कारण स्पष्ट रूप से बताया जाए। उन्होंने कहा कि जनता को केवल आवेदन लिए जाने की जानकारी नहीं, बल्कि आवेदन की अंतिम स्थिति भी बताई जानी चाहिए।

स्वागत के साथ व्यवस्था पर कटाक्ष

भाषण के अंत में तिवारी ने क्षेत्र में पहुंचे अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का क्षेत्र में आना स्वागत योग्य है, लेकिन इस स्वागत की सार्थकता तभी है, जब क्षेत्र की जनता के काम हों और ग्रामीणों को अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता के आवेदन लंबित रहेंगे तो केवल शिविर आयोजित करने से समस्या का समाधान नहीं होगा।

अधिकारियों की मौजूदगी में खुलकर उठे सवाल

पूरे कार्यक्रम के दौरान सबसे महत्वपूर्ण स्थिति यह रही कि जिला पंचायत सदस्य ने मंच पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों के सामने ही सरकारी शिविरों की कार्यप्रणाली, राजस्व व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं और लंबित आवेदनों को लेकर सवाल उठाए। कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मंच पर मौजूद रहे और तिवारी लगातार एक के बाद एक मुद्दे सामने रखते रहे। कार्यक्रम में उठे सवाल अब प्रशासन के सामने उन आवेदनों के वास्तविक निराकरण की स्थिति सामने रखने की जिम्मेदारी भी खड़ी करते हैं। ब्यौहारी में 15 दिन पहले लगाए गए शिविर में प्राप्त आवेदनों की संख्या, निराकरण किए गए मामलों और लंबित प्रकरणों की विभागवार जानकारी सामने आने के बाद ही शिविर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी। दुर्गेश तिवारी ने अपने संबोधन का समापन अधिकारियों और क्षेत्र में आए प्रतिनिधियों के स्वागत के साथ किया, लेकिन उनके पूरे संबोधन में एक बात स्पष्ट रही कि सरकारी शिविर की सफलता आवेदन लेने में नहीं, बल्कि उस आवेदन से जुड़ी समस्या का समय पर निराकरण करने में है।

बेटे को मौत के घाट उतारने वाले पिता ने की आत्महत्या

शहडोल। पारिवारिक कलह और क्षणिक आक्रोश ने एक ही हंसते-खेलते परिवार की दो पीढ़ियों को हमेशा के लिए खामोश कर दिया। पांच दिन पहले मामूली विवाद पर अपने ही जिगर के टुकड़े पर टांगी (कुल्हाड़ी) चलाकर उसकी जान लेने वाले कलयुगी पिता का भी अंततः खौफनाक अंत हो गया। जंगलों में पुलिस से छिपते-फिरते थक चुके आरोपी पिता ने मंगलवार सुबह ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। यह हृदयविदारक घटना ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम कोठिया की है। बीते 2 अक्टूबर को 55 वर्षीय नंदकुमार सिंह गोंड का अपने बेटे सिंघराज सिंह गोंड से किसी छोटी सी बात पर कहासुनी हो गई थी। बात इतनी बढ़ी कि गुस्से में अंधे हुए नंदकुमार ने घर



में रखी टांगी उठाकर बेटे के गर्दन और सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। चोट इतनी गंभीर थी कि सिंघराज ने वहीं तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद पुलिस के खौफ से आरोपी नंदकुमार पास के घने जंगलों की ओर भाग निकला। सूचना मिलते ही ब्यौहारी थाना प्रभारी अभिलाष मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने 100 से अधिक ग्रामीणों के साथ दिन-रात सर्च ऑपरेशन चलाया। देर रात दो बजे तक टॉर्च की रोशनी में घने जंगलों को छाना गया, लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच फरार नंदकुमार का एक भावुक ऑडियो भी सामने आया। जंगल से अपने भांजे को फोन लगाकर उसने बेहद रुंधे गले में कहा, मुझे समझ ही नहीं आ रहा कि यह खौफनाक अपराध मेरे हाथों कैसे हो गया... मुझे अपने किए पर बेहद अफसोस है। यह कहते ही उसने फोन स्विच ऑफ कर लिया। बेटे के खून के धब्बे और पछतावे की आग पिता को अंदर ही अंदर तोड़ रही थी। आखिरकार, पांचवें दिन यानी मंगलवार तड़के हत्या स्थल से महज तीन किलोमीटर दूर रेलवे ट्रैक पर एक अधेड़ की ट्रेन से कटकर मौत होने की खबर फैली। पुलिस ने जब मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से पहचान कराई, तो वह क्षत-विक्षत शव बेटे के कातिल नंदकुमार सिंह का ही निकला। पुलिस को घटनास्थल के करीब से ही हत्या में इस्तेमाल टांगी भी बरामद हुई है। इस दोहरे हादसे से पूरे कोठिया गांव में मातम और सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

चुहरी स्कूल में गुटबाजी का खेल, प्रबंधन की चुप्पी पर उठे सवाल

मध्यावकाश में छात्रों के बीच जमकर मारपीट, दो छात्रों के सिर में चोट

पहले भी मिल चुके हैं नोटिस, फिर भी नहीं सुधरे हालात

शहडोल। जिले के गोहपारू जनपद क्षेत्र अंतर्गत चुहरी हायर सेकेंडरी स्कूल इन दिनों पढ़ाई से ज्यादा छात्रों के बीच विवाद और गुटबाजी को लेकर चर्चा में है। विद्यालय परिसर में आए दिन गाली-गलौज और मारपीट की घटनाएं सामने आने के बावजूद स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पाना स्कूल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। सोमवार को मध्यावकाश के दौरान कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्रों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि छात्रों के बीच जमकर हाथापाई होने लगी। मारपीट में दो छात्रों के सिर में गंभीर चोट आने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद विद्यालय में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। किसी तरह मामले को शांत कराया गया, जिसके बाद संबंधित छात्रों के अभिभावकों को विद्यालय बुलाया गया और उपद्रवी छात्रों को नोटिस जारी किए जाने की बात सामने आई है।

नोटिस के बाद भी नहीं थम रहे विवाद

चौंकाने वाली बात यह है कि छात्रों की



इस तरह की गतिविधियां कोई पहली घटना नहीं हैं। पूर्व में भी विद्यालय प्रबंधन की ओर से छात्रों को उनकी हरकतों को लेकर नोटिस जारी किए जाने की बात सामने आई थी। इसके बावजूद यदि बार-बार वही स्थिति सामने आ रही है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर नोटिस के बाद आगे की कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

जिम्मेदारों की अनदेखी से बढ़ सकता है खतरा

विद्यालय में लगातार बिगड़ते माहौल को लेकर मुख्यालय स्तर पर पदस्थ जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि समय रहते विद्यालय की अनुशासन व्यवस्था, छात्रों की गुटबाजी और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा नहीं की गई तो भविष्य में कोई बड़ा घटनाक्रम सामने आ सकता है। किसी गंभीर घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय उससे पहले रोकथाम करना ही जिम्मेदार व्यवस्था की पहचान है।

कार्रवाई के साथ जरूरी है निगरानी और काउंसलिंग

अब आवश्यकता केवल छात्रों को नोटिस देने तक सीमित रहने की नहीं, बल्कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच करने की है। विद्यालय में नियमित निगरानी, अनुशासन व्यवस्था, शिक्षकों की सक्रिय भूमिका और छात्रों की काउंसलिंग सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही लगातार विवाद में शामिल छात्रों के व्यवहार और पूर्व घटनाओं की भी समीक्षा आवश्यक है। यदि स्कूल प्रबंधन और संबंधित विभाग ने समय रहते इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया तो छात्रों की यह गुटबाजी किसी बड़ी घटना का रूप ले सकती है। इसलिए शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल हस्तक्षेप कर विद्यालय के माहौल को सामान्य और सुरक्षित बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

सी.एम. यूथ कॉन्क्लेव-2026 के सीधे प्रसारण में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग



शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय परिसर में सी.एम. यूथ कॉन्क्लेव-2026 के अंतर्गत मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मंगलवार, 06 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए मुख्यमंत्री के उद्बोधन एवं कॉन्क्लेव के विभिन्न कार्यक्रमों को देखा और सुना।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम शंकर, कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी एवं परिसर प्रभारी प्रो. गीता सराफ सहित डॉ. पूर्णिमा शर्मा, डॉ. अंजनी सूर्यवंशी, डॉ. धानी जामोद, डॉ. संगीता धुर्वे, शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ, कर्मचारीगण, एनसीसी एवं एनएसएस कैडेट्स, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के प्रतिनिधि तथा विभिन्न संकायों के विद्यार्थी उपस्थित रहे। सीधे प्रसारण के माध्यम से विद्यार्थियों को युवाओं के विकास, नवाचार, नेतृत्व, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका से जुड़े महत्वपूर्ण संदेशों को सुनने और समझने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री जी के प्रेरणादायी उद्बोधन ने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा, सकारात्मक सोच और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को और मजबूत किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। विश्वविद्यालय परिवार ने मुख्यमंत्री जी के संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना तथा युवाओं के सशक्तिकरण, नेतृत्व क्षमता के विकास और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता के संकल्प को आत्मसात किया। सी.एम. यूथ कॉन्क्लेव-2026 का यह आयोजन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को नई सोच, नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करने वाला महत्वपूर्ण अवसर रहा।



अस्पताल परिसर में 12 घंटे सिसकती रही बेबसी

दूत बनकर उभरे डॉक्टर-स्टाफ

शहडोल। मौत के बाद अपनों को कंधे तक नसीब न होने की मजबूरी कैसी होती है, इसकी एक कारुणिक मिसाल शहडोल मेडिकल कॉलेज में देखने को मिली। गरीबी के दंश के आगे जहां एक बेबस परिवार शव को चंदिया (उमरिया) स्थित अपने गांव ले जाने के लिए तिनके-तिनके का मोहताज था, वहीं सफेद कोट पहनने वाले डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों ने इंसानियत की ऐसी नजीर पेश की, जिसकी मिसाल दूर-दूर तक दी जा रही है। जानकारी के अनुसार, मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीज की मंगलवार तड़के करीब 5 बजे सांसें थम गईं। मौत के साथ ही परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जेब खाली थी और एंबुलेंस का किराया चुकाने के लिए उनके पास चवन्नी तक नहीं थी। सुबह 5 बजे से लेकर शाम 5:30 बजे तक, पूरे 12 घंटे तक पार्थिव शरीर अस्पताल परिसर में अपनों की बेबसी पर आंसू बहाता रहा। परिजन शव के पास बैठकर सिर्फ इस उम्मीद में रोते रहे कि कोई चमत्कार हो जाए।जब यह हृदयविदारक दृश्य मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की नजर में आया, तो उनसे परिजनों की यह लाचारी देखी नहीं गई। बिना कोई देर किए डॉक्टरों और कर्मचारियों ने आपस में चंदा जमा करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते एंबुलेंस की पूरी व्यवस्था कर ली गई। सेवाभावियों के सहयोग से पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ उनके गृह ग्राम चंदिया के लिए रवाना किया गया। मुश्किल वक्त में किसी की लाचारी का सहारा बनना ही सबसे बड़ा धर्म है। आर्थिक तंगी से जूझते परिवार के लिए मेडिकल कॉलेज के इस अमले ने जिस संवेदनशीलता का परिचय दिया, उसने साबित कर दिया कि खाकी या डॉक्टरी पेशे के पीछे एक धड़कता हुआ दिल भी होता है। डॉक्टरों और स्टाफ के इस मानवीय कदम की पूरे अंचल में जमकर सराहना हो रही है।

यातायात पुलिस ने दिया सड़क सुरक्षा का संदेश500 से अधिक नागरिकों को किया जागरूक

शहडोल। जिले भर में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आम नागरिकों की सुरक्षा और जनकल्याण के लिए लगातार प्रभावी पहल की जा रही है। इसी कड़ी में शहडोल यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक व्यापक और सराहनीय जागरूकता अभियान चलाया। स्कूलों से लेकर शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचे इस अभियान के माध्यम से बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय निवासियों सहित 500 से अधिक लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने विद्यार्थियों और आमजनों को सड़क पर सुरक्षित आवागमन के मूलभूत सिद्धांतों की जानकारी दी। बच्चों को बताया गया कि सड़क पार करते समय किस प्रकार सतर्कता बरतनी चाहिए, दोपहिया वाहन यात्रा के दौरान गुणवत्तापूर्ण हेलमेट पहनना क्यों आवश्यक है और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग जीवन रक्षा में कितना मददगार सिद्ध होता है। इसके साथ ही यातायात संकेतों के पालन, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने की सख्त सलाह दी गई।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जगन्नाथपुरी यात्रा के लिए ट्रेन 8 अक्टूबर को होगी रवाना

उमरिया। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जगन्नाथपुरी के लिए स्पेशल ट्रेन 8 अक्टूबर को उमरिया रेल्वे स्टेशन से रवाना होगी । यह ट्रेन दमोह रेल्वे स्टेशन से रात्रि 11.50 बजे रवाना होकर न्यू कटनी जंक्शन होते हुए रात्रि 1.50 बजे उमरिया रेल्वे स्टेशन पहुंचेगी ।

छात्र दखनेश्वर का मध्यप्रदेश वॉलीबॉल अंडर 17 राज्य टीम में चयन

कोतमा। ग्रीनलैंड पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल कोतमा के लिए यह अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है



कि विद्यालय के कक्षा 10वीं के प्रतिभाशाली छात्र दखनेश्वर प्रसाद केवटए पिता रामनरेश केवटए का चयन मध्यप्रदेश राज्य वॉलीबॉल अंडर.17 टीम के लिए हुआ है। दखनेश्वर प्रसाद केवट ने अपनी प्रतिभाए मेहनतए अनुशासन एवं खेल के प्रति समर्पण के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। राज्य स्तरीय टीम में चयनित होने के पश्चात वे विदिशा में आयोजित होने वाली वॉलीबॉल प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यालय परिवार ने छात्र की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उसे हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि दखनेश्वर की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकासए अनुशासनए आत्मविश्वास एवं टीम भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यालय प्रबंधनए प्राचार्यए शिक्षकगण एवं समस्त विद्यार्थी दखनेश्वर प्रसाद केवट को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन एवं सफलता की कामना करते हैं।<

आज वोकल फॉर लोकल सहयोग कार्यक्रम होंगे आयोजित

उमरिया। सेवा मेरा योगदान अभियान अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान का आयोजन 2 अक्टूबर से 10 तक किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि 7 अक्टूबर को वोकल फॉर लोकल सहयोग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

स्कूल में एलबेंडाजोल खाते ही बिगड़ी बच्चों की तबीयत



उमरिया। समीपस्थ ग्राम कोयलारी स्थित शासकीय विद्यालय में दवा वितरण के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एलबेंडाजोल की गोली खाते ही आधा दर्जन से अधिक विद्यार्थियों को उल्टी और चक्कर आने की शिकायत होने लगी। स्कूल प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आपातकालीन 108 एंबुलेंस बुलाई और सभी प्रभावित बच्चों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। मिली जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान या नियमित स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत विद्यालय में विद्यार्थियों को पेट के कीड़े मारने की एलबेंडाजोल टैबलेट दी गई थी। दवा का सेवन करते ही बच्चों की हालत बिगड़ने लगी। बीमार पड़े छात्रों में ओम वर्मन उम्र 13 वर्ष, दीपिका बैगा उम्र 12 वर्ष, सोनिया बैगा उम्र 13 वर्ष, राधिका बैगा उम्र 12 वर्ष, शिवम यादव उम्र 13 वर्ष, कृष्ण कुमार यादव, कमल बैगा उम्र 13 वर्ष और संस्कार यादव उम्र 12 वर्ष शामिल हैं।घटना के तुरंत बाद विद्यालय प्रबंधन ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस सेवा को सूचित किया, जिससे समय रहते बच्चों को अस्पताल पहुँचाया जा सका। जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों की विशेष टीम तैनात कर सभी बच्चों की त्वरित जाँच और उपचार शुरू कर दिया गया है।अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि एलबेंडाजोल दवा के सेवन के बाद कुछ मामलों में जी मिचलाना, उल्टी या सिर घूमने जैसे हल्के साइड इफेक्ट्स देखना सामान्य बात है। हालांकि, बच्चों की अचानक सेहत बिगडने की वास्तविक वजह क्या रही, यह विस्तृत चिकित्सकीय परीक्षण और रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी तरह साफ हो सकेगा। फिलहाल सभी पीड़ित बच्चे डॉक्टरों की सघन निगरानी में हैं और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में भी चिंता का माहौल बन गया था, लेकिन अस्पताल में त्वरित इलाज मिलने से उन्होंने राहत की सांस ली है।

मानपुर के भूमिहीन किसानों ने खोला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा

50 सालों से जोता-बोया, फिर भी कागजों में बेगाने

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, फसल गिरदावारी, खसरा एंट्री और पट्टे की मांग

मांगें पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

गरीबी रेखा में 512 रुपये की शर्त पर भी फूटा गुस्सा, वृद्धा-विधवा महिलाओं के नाम कटे



मानपुर। मानपुर तहसील व नगर परिषद क्षेत्र के सैकड़ों भूमिहीन कब्जेधारी किसानों का दर्द आखिरकार सडक़ों पर छलक ही पड़ा। पिछले 50 वर्षों से प्रदेश शासन की जमीन पर कड़ा परिश्रम कर मेढ़-मिट्टी बांधकर खेती कर रहे और अपने परिवारों का पेट पाल रहे गरीबों के सब्र का बांध अब टूट चुका है। भूमिहीन कब्जेधारी कृषक संगठन के बैनर तले किसानों ने मानपुर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को ज्ञापन सौंपकर शासन-प्रशासन के खिलाफ हुंकार भरी है। किसानों का स्पष्ट कहना है कि यदि 7 दिवस के भीतर उनकी मांगों पर ठोस और सकारात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जवाबदेही शासन व प्रशासन की होगी।

वर्ष 2005 के बाद खसरे से गायब हुए किसान

ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने आरोप लगाया कि वे दशकों से शासन की भूमि पर काबिज होकर खेती-किसानी कर रहे हैं और वहीं छोटे-छोटे मकान बनाकर रह रहे हैं। लेकिन वर्ष 2005 के बाद से अचानक राजस्व अभिलेखों (खसरा) में उनके कब्जे दर्ज करना बंद कर दिए गए। नतीजतन, असली पसीना बहाने वाले इन किसानों को न तो सरकारी योजनाओं का लाभ मिल पा रहा है और न ही उनकी फसलों का कहीं पंजीयन हो पा रहा है। खसरे में नाम न होने के कारण यह गरीब किसान मानसिक रूप से अत्यंत व्यथित हैं और उन्हें अपने बच्चों का भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है।

सरकारी योजनाओं से बेदखल

किसानों ने एसडीएम के समक्ष अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि जमीन के कागजी अधिकार न होने की वजह से वे केंद्र व राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं से पूरी तरह वंचित हैं। न तो किसानों को किसान सम्मान निधि मिल पा रही है और न ही फसल बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड, फार्मर आईडी या सरकारी खाद-बीज का लाभ मिल रहा है। सरकारी सोसाइटियों और गोदामों से खाद-बीज न मिलने के कारण मजबूरी में इन किसानों को निजी दुकानों से तय दामों से कहीं अधिक कीमत चुकाकर खाद खरीदनी पड़ रही है। इससे इन गरीब परिवारों का जीवन बद से बदतर होता जा रहा है।

निरस्त पट्टों की जांच कराकर बहाली की मांग

किसानों ने ज्ञापन में एक और गंभीर मुद्दा उठाया कि पूर्व में जिन वास्तविक भूमिहीन गरीबों को शासन द्वारा पुनर्वास व व्यवस्थापन के तहत पट्टे जारी किए गए थे, उनमें से कई पट्टों को बिना उचित कारणों के निरस्त कर दिया गया है। जबकि मौके पर आज भी वे ही गरीब किसान काबिज हैं और उनके पास इसके अलावा कोई दूसरी जमीन नहीं है। किसानों ने मांग की है कि एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी गठित कर मौके का मुआयना कराया जाए और पात्र गरीबों के निरस्त पट्टे तत्काल बहाल किए जाएं।

बीपीएल कार्ड में 512 रुपये का अजीब दांव

मानपुर नगर परिषद क्षेत्र में बीपीएल सूची से काटे जा रहे नामों को लेकर भी भारी रोष व्याप्त है। नगरवासियों का कहना है कि जब पात्र हितग्राही अपनी समग्र आईडी अलग कराकर बीपीएल कार्ड बनवाने एसडीएम कार्यालय पहुंचते हैं, तो उनके आवेदनों को यह कहकर खारिज कर दिया जाता है कि 'जिनकी मासिक आय 512 रुपये होगी, उन्हीं का नाम गरीबी रेखा में जोड़ा जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि आज की कमरतोड़ महंगाई के दौर में 512 रुपये मासिक आय का नियम पूरी तरह अव्यावहारिक और पुराना है। इस नियम की आड़ में असहाय विधवा महिलाएं, वृद्ध और वास्तविक गरीब परिवार सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हो रहे हैं। किसानों व नागरिकों ने इस पुराने कानून में तत्काल संशोधन करने की मांग उठाई है।

ज्ञापन में प्रमुखता से रखी गईं 5 मुख्य मांगें

किसानों ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि काबिज जमीनों की तत्काल गिरदावारी करवाकर खसरा अभिलेख में नाम दर्ज किया जाए। किसानों की फसलों का सरकारी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर उपज की सरकारी खरीद सुनिश्चित हो। मौके पर काबिज किसानों को उनके वास्तविक रकबे के आधार पर मध्य प्रदेश शासन द्वारा पट्टा प्रदान किया जाए। पूर्व में निरस्त किए गए भूमिहीन किसानों के पट्टों की निष्पक्ष जांच कराकर उन्हें पुनः बहाल किया जाए। 512 रुपये की मासिक आय सीमा के पुराने नियम में संशोधन कर मानपुर नगर परिषद के सभी पात्र गरीबों, विधवाओं व वृद्धों के नाम बीपीएल सूची में जोड़े जाएं।

मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाइज कार्पोरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष ने जिले का किया भ्रमण



उमरिया। मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाइज कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव कांकर ने गत दिवस उमरिया जिले के नागरिक आपूर्ति निगम कार्यालय का निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्थाओ सहित विभागीय कार्य प्रणाली एवं अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यो की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होने निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता के अनुसार कार्पोरेशन द्वारा कार्य किया जाए। उन्होने कहा कि कार्पोरेशन किसानो एवं आम नागरिको से संबंधित व्यवस्थाओं का जिम्मेदारी से निर्वहन कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे निर्णयों को पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना विभागीय अधिकारियों की जिम्मेंदारी है। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय योजनाओं व व्यवस्थाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पारदर्शी , समयबद्ध और सुचारू रूप से मिले ताकि सरकार व्दारा किसानो के हित में किए जा रहे जन कल्याणकारी कार्यो के उद्देश्यों की पूर्ति हो सके।

जनसुनवाई में सुनी गई 122 आवेदकों की समस्याएं





उमरिया। साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर 122 आवेदकों की समस्याओं को सुना गया तथा आवेदनों के निराकरण के लिए आवेदन संबंधित विभाग की ओर प्रेषित कर विभागीय अधिकारियों को समुचित कार्यवाही के निर्देश दिए। डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज एवं प्रिया अग्रवाल ने जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याएं सुनी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में साधना त्रिपाठी चंदिया ने पुत्र की मृत्यु के पश्चात सहायता राशि दिलाने, रामलली कुशवाहा सिगुडी ज्वालामुखी ने भूमि का पटटा दिलाने, भैरव लाल महरोई ने बिजली बिल अधिक आने, पूरनलाल निवासी करकेली ने ट्रायसाईकिल दिलाने, राकेश चौधरी चंदिया ने पीएम आवास दिलाने, सरमन निवासी मझोखर ने आधार कार्ड में दर्ज नाम को सुधार कर वोटर आईडी मे दर्ज किए जाने, प्रीतम बैगा गिंजरी ने वाहन का किराया एवं मजदूरी दिलाने, सत्यनारायण चौधरी निवासी खलेसर ने बिजली बिल अधिक आने,फूल बाई कोल, बलकी एवं अमृतलाल निवासी रमपुरी ने पटटा दिलाने संबंधी आवदेन दिया। संबंधित आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में, नायब तहसीलदार लक्ष्मी वर्मा ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। इस दौरान विभिन्न विभागो के अधिकारी उपस्थित रहे।

आंधी-तूफान के साथ झमाझम हुई बारिश, गर्मी से लोगों को मिली राहत



कोतमा। मंगलवार को कोतमा सहित क्षेत्र में अचानक बदले मौसम के मिजाज ने उमस भरी गर्मी से जूझ रहे लोगों को राहत दी है। दोपहर 12 बजे के लगभग अचानक घने बादल छाए और तेज आंधी.तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई। जिसके कारण ठंडी हवाओं से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम में आए अचानक बदलाव और तेज आंधी.तूफान के साथ हुई बारिश से लोगों को उमस व गर्मी से बड़ी राहत मिली हैए लेकिन यह बारिश खरीफ फसलों धानए सोयाबीनए उड़द के लिए मिश्रित असर लेकर आई है। अचानक चली तेज आंधी तूफान के कारण कुछ स्थानों पर पुरानी टहनियां और होर्डिंग्स गिर गये। निचले इलाकों और सड़कों पर जल भराव की स्थिति हो गई जिससे आवागमन प्रभावित हुआ। जिन खेतों में फसलें अभी पकने की शुरुआती अवस्था में हैं या जिन्हें नमी की जरूरत थीए उनके लिए यह पानी फायदेमंद है। जिन किसानों की फसलें विशेषकर धान की बालियां या अन्य फसलें पूरी तरह पक चुकी हैं और खेतों में खड़ी हैंए उनके लिए तेज हवा के साथ हुई यह बारिश नुकसानदायक साबित हो सकती है। इससे फसलों के गिरने आड़ी होने और दाने काले पड़ने या सड़ने का खतरा बढ़ जाता है। कृषि विशेषज्ञों और प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें और खेतों में जलभराव की स्थिति में पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें।



कोतमा में महारानी दुर्गावती की 502वीं जयंती मनाई गई

कोतमा। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा कोतमा विधानसभा क्षेत्र के कोतमाए बैहाटोलाए मनवारीए बसखलीए चागरीए सोहीबेल्हाए सम्मितोलाए लेदराए कोरजाए सिलपुर और टांकी सहित कई स्थानों पर वीरांगना महारानी दुर्गावती की 502वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में जोगन सिंह मरकाम द्वारा गोंडी धर्म मंत्रों का उच्चारण कर विधिवत कार्यक्रम संपन्न कराया गया। पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य देवशरण सिंह ने कहा कि समाज को धर्मए जाति और पंथ से ऊपर उठकर मानवता को बढ़ावा देना चाहिए। बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देनेए नशे का विरोध कर गांवों को नशामुक्त बनाने तथा आदिवासी संस्कृतिए परंपरा और रीति.रिवाजों को संरक्षित रखने का संदेश दिया गया। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों और महापुरुषों के बलिदान को याद करते हुए नई पीढ़ी को उनके इतिहास से अवगत कराने तथा संविधान की रक्षा में सभी से योगदान देने का आहवान किया। कार्यक्रम में दुर्गा सिंह कोर्रामए चंद्रिका सिंह मरकामए देवनाथ सिंह मसरामए नोहर सिंह सरपंचए करन श्यामए रामायण सिंह एवं ओमप्रकाश सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल राजनगर की मासिक कामकाजी बैठक संपन्न

सेवा सेतु अभियान को सफल बनाने कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारी

बूथ स्तर से अधिक से अधिक सहभागिता पर जोर



राजनगर। भारतीय जनता पार्टी मंडल राजनगर की मासिक कामकाजी बैठक सोमवार को नगर परिषद बनगवां ;राजनगरद्ध के प्रांगण में मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियोंए कार्यक्रमों एवं बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम प्रभारी अमृतलाल केवट के मार्गदर्शन में बैठक आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत भारत माताए डॉण श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी ने आगामी सेवा सेतु अभियान की तैयारियों की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बुधवार को सुबह 10 बजे अनूपपुर जिला मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मंडल के प्रत्येक बूथ से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं एवं आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बूथ अध्यक्षों एवं बीएलए.2ए शक्ति केंद्र प्रभारीयोए को विशेष जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि वे अपने.अपने बूथों से लोगों को कार्यक्रम में लेकर पहुंचें। कार्यक्रम प्रभारी अमृतलाल केवट ने भी सेवा सेतु अभियान की तैयारियों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर कार्यकर्ताओं को दिशा.निर्देश दिए। पिछले कार्यों की समीक्षाए आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी ने पिछले माह संगठन द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। उन्होंने बूथ स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने पर जोर दिया। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री सचिन द्विवेदी ने किया। समापन अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष अरविंद सिंह परिहार ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। बैठक में वरिष्ठ नेता गजेंद्र सिंह सिकरवारए राजेंद्र त्रिपाठीए राजेश कलसाए सुरेश गौतमए धर्मेंद्र सिंहए अरविंद सिंह परिहारए शिवमूरत केवटए सचिन द्विवेदीए नारायण साहूए राजकुमार सिंहए गोपाल चौधरीए प्रमोद शुक्लाए रविदास चौधरीए पूजा केवटए पंकज कुमार शर्मा मंडल मीडिया प्रभारीए जीवनलाल केवटए मोती केवटए मनोज सिंहए भीम जायसवालए समयलाल पटेल सहित मंडल के पदाधिकारीए शक्ति केंद्र प्रभारीए बूथ अध्यक्षए बीएलए.2 एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सेवा ज्योति संकल्प यात्रा के तहत विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन आज

उमरिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा ज्योति संकल्प यात्रा अंतर्गत विकसित भारत संकल्प सभा का जिला स्तरीय कार्यक्रम 7 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में प्रातः 9 बजे से 9.45 बजे तक देश भक्ति गीतों का गायन होगा। तदुपरांत प्रातः 9.45 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन के पश्चात दिल्ली के मुख्य समारोह में सेवा ज्योति को प्रज्जवलित किया जाएगा। तदुपरांत जिला स्तर के कार्यक्रम में अतिथिगण सेवा ज्योति को प्रज्ज्वलित करेंगे । जिस मशाल से जिला स्तरीय कार्यक्रम में सेवा ज्योति को प्रज्ज्वलित किया जाएगा उसी मशाल से जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों की सेवा ज्योति को भी प्रज्ज्वलित किया जाएगा। ज्योति प्रज्ज्वलन के बाद जिले के अलग अलग विधानसभा क्षेत्रों से उपस्थित नागरिक अपने क्षेत्र की सेवा ज्योति मशाल के साथ अपने अपने विधानसभाओं के लिए प्रस्थान करेंगे और विधानसभा क्षेत्र में सेवा यात्रा निकाली जाएगी। विधानसभा क्षेत्र की सेवा यात्रा का नेतृत्व जनप्रतिनिधि करेंगे जिनमें सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद आदि शामिल होगे । यात्रा में सबसे आगें एक रथ रहेगा । रथ के पीछे एक नागरिक प्रज्जवलित मशाल को हाथ मे लेकर चलेगा उसके पीछे यात्रा में शामिल सभी नागरिक रहेगे । जिला स्तरीय सभा स्थल पर विकसित भारत निर्माण के संकल्प पर केंद्रित सेल्फी बूथ बनाएं जाऐगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनप्रितिनिधियो, गणमान्य नागिरकों, प्रबुध्द वर्ग के व्यक्तियों व समाज सेवी संस्थाओं एवं संगठनो जले की विशिष्ट उपलब्धि / आवार्ड / पुरस्कार/ पद्दक आदि सम्मान पाने वाले नागिरकों एवं आम नागिरक भी उपिस्थत रहेंगे। जिला मुख्यालय के एक चौराहे को चिन्हित कर सेवा संकल्प चौक के रूप मे विकसित किया जाएगा।

विश्वदीपक बने मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक, नगर में खुशी की लहर



मानपुर। नगर के होनहार लाल और वार्ड क्रमांक 5 के निवासी विश्वदीपक तिवारी ने अपनी कर्मठता और उत्कृष्टता के बल पर क्षेत्र का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है। मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक में सेवारत श्री तिवारी को बैंक प्रबंधन द्वारा पदोन्नत करते हुए वरिष्ठ प्रबंधक के दायित्व से नवाजा गया है। वर्तमान समय में वे क्षेत्रीय कार्यालय रीवा में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बैंक के प्रधान कार्यालय इंदौर स्थित मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा जारी आधिकारिक पदोन्नति सूची में मानपुर के इस मेधावी युवा का नाम दूसरे स्थान पर अंकित है। यह पदोन्नति 1 अप्रैल 2026 की पात्रता श्रेणी के अंतर्गत प्रदान की गई है, जिसके लिए अंतिम साक्षात्कार की प्रक्रिया 5 अक्टूबर 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई थी। साक्षात्कार के उपरांत जैसे ही पदोन्नत अधिकारियों की सूची सार्वजनिक हुई, वैसे ही मानपुर क्षेत्र में प्रसन्नता का वातावरण निर्मित हो गया।उल्लेखनीय है कि विश्वदीपक तिवारी नगर के प्रतिष्ठित नागरिक हरवंश गोपाल तिवारी के सुपुत्र हैं। उनकी इस स्वर्णिम उपलब्धि से न केवल उनका परिवार अपितु संपूर्ण मानपुर अंचल गौरवान्वित महसूस कर रहा है। बचपन से ही मेधावी रहे विश्वदीपक ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद, गुरुजनों के मार्गदर्शन और अनवरत परिश्रम को दिया है। उनकी इस नई सांगठनिक जिम्मेदारी और पदोन्नति की सूचना मिलते ही बधाई देने वालों का तांता लग गया। क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों, शुभचिंतकों, मित्रों एवं परिजनों ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर तथा दूरभाष के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

विशेषज्ञ चिकित्सकों और ओटी स्टाफ की टीम ने सुरक्षित शल्य प्रसव कराया, जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में दूसरी सी-सेक्शन डिलीवरी सफल

बुढ़ार। राज्य शासन एवं कलेक्टर के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में मंगलवार को दूसरी बार सी-सेक्शन (C-Section) शल्य प्रसव सफलतापूर्वक कराया गया। शल्य क्रिया के बाद महिला ने स्वस्थ पुत्र को जन्म दिया। जच्चा और नवजात दोनों की स्थिति स्वस्थ बताई गई है।जानकारी के अनुसार श्रीमती लक्ष्मी विश्वकर्मा, पति सुमित विश्वकर्मा, उम्र 28 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 21, धनपुरी, विकासखंड बुढ़ार, जिला शहडोल का विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा सफलतापूर्वक शल्य प्रसव कराया गया।
शल्य क्रिया में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.हर्षिता शर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.शैली जैन तथा एनेस्थीसिया विशेषज्ञ एवं खंड चिकित्सा अधिकारी बुढ़ार डॉ.सचिन कारखुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं नर्सिंग एवं ऑपरेशन थिएटर स्टाफ ने भी पूरी तत्परता के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाईं।
ओटी टीम में श्रीमती दीपिका गारडिया, श्रीमती विभा जहाँ, नर्सिंग अधिकारी एवं ओटी इंचार्ज, ओटी असिस्टेंट, श्रीमती रूपकला पटेल, नर्सिंग अधिकारी एवं एनबीएसयू इंचार्ज तथा अरुण बैगा, वार्ड बॉय एवं ओटी स्टरलाइजेशन स्टाफ का विशेष योगदान रहा।



विकासखंड में सी-सेक्शन सुविधा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में यह दूसरी सफल सी-सेक्शन शल्य क्रिया है। स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की मौजूदगी में सुरक्षित शल्य प्रसव की सुविधा उपलब्ध होना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे आवश्यकता वाले गर्भवती मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थानों पर निर्भरता कम करने की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण पहल है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सफल शल्य प्रसव के लिए चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं ओटी टीम के समन्वित प्रयास को महत्वपूर्ण बताया।

बटली घाट पर रेत उत्खनन को लेकर उठे सवाल, निगरानी और कार्रवाई की मांग

थाना प्रभारी बदले, लेकिन कथित अवैध रेत कारोबार को लेकर शिकायतें बरकरार

बुढ़ार। थाना के अंतर्गत के जरवाही बटली घाट में रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह आरोप सामने आ रहा है कि घाट क्षेत्र में नियमों के विपरीत रेत का उत्खनन एवं परिवहन किया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की वास्तविक स्थिति संबंधित विभागों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।
जिले में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण और अपराधों की रोकथाम को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा थाना स्तर पर निगरानी और कार्रवाई पर जोर दिया जा रहा है। इसी बीच बटली घाट से जुड़ी रेत गतिविधियों को लेकर सामने आ रही शिकायतें स्थानीय पुलिस और संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं।

प्रभारी बदला, सवाल कायम

बुढ़ार थाने में थाना प्रभारी का बदलाव हो चुका है। इसके बावजूद बटली घाट में रेत उत्खनन को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान अभी सामने नहीं आया है। स्थानीय स्तर पर मांग की जा रही है कि संबंधित अधिकारी घाट क्षेत्र का निरीक्षण कर यह पता लगाएं कि वहां रेत उत्खनन और परिवहन वैध अनुमति एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप हो रहा है या नहीं।

खनिज विभाग की जांच से सामने आ सकती है वास्तविक स्थिति

रेत खनन से जुड़े मामलों में अनुमति, खनिज नियमों तथा परिवहन संबंधी दस्तावेजों की जांच महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में बटली घाट पर चल रही गतिविधियों की मौके पर जांच, दस्तावेजों का सत्यापन और आवश्यक होने पर कार्रवाई से ही स्थिति स्पष्ट हो सकती है।यदि जांच में नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, यदि गतिविधियां वैध पाई जाती हैं तो प्रशासन द्वारा स्थिति स्पष्ट किए जाने से उठ रहे सवालों पर विराम लग सकता है।

अब जांच और कार्रवाई का इंतजार

बटली घाट से जुड़े आरोपों के बीच अब निगाहें पुलिस, खनिज और राजस्व विभाग की कार्रवाई पर हैं। क्या बटली घाट पर रेत उत्खनन नियमानुसार हो रहा है? क्या संबंधित वाहनों और अनुमति-पत्रों की जांच की गई है? इन सवालों का आधिकारिक जवाब जांच के बाद ही सामने आएगा।फिलहाल सबसे जरूरी है कि प्रशासन बटली घाट की वास्तविक स्थिति की जांच कर तथ्य सार्वजनिक करे, ताकि अवैध रेत कारोबार के आरोपों की सच्चाई सामने आ सके।



रेल आवास आवंटन समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्नः कर्मचारियों को मिलेंगे मकान, जर्जर आवासों की जगह 'आउट ऑफ टर्न' आवंटन का फैसला

बुढ़ार। सहायक मंडल अभियंता कार्यालय शहडोल में 06 अक्टूबर को रेलवे सामान्य एवं सेंट्रल पुल आवास समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक आवास समिति के चेयरमैन एवं सहायक मंडल अभियंता (शहडोल) बृजेश नारायण पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई।
बैठक की शुरुआत में साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस (बिलासपुर) के महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण और मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के मार्गदर्शन में मजदूर कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव एवं शाखा सचिव (शहडोल) बालकृष्ण बंगारी के नेतृत्व में रेलवे मजदूर कांग्रेस, एसटी/एससी एसोसिएशन और ओबीसी एसोसिएशन के सदस्यों ने सहायक मंडल अभियंता बृजेश नारायण पाण्डेय का गर्मजोशी से स्वागत किया।
बैठक के प्रमुख निर्णय एवं आवंटनःआवास आवंटनः शहडोल, बुढ़ार,अमलाई, अनूपपुर और बधवावारा के आपरेटिंग, सिग्नल, कमर्शियल, इंजीनियरिंग सहित अन्य विभागों के कर्मचारियों को नए रेल आवास आवंटित किए गए।,आउट ऑफ टर्न आवंटनः कंडम (जर्जर) घोषित किए गए तथा विकास कार्यों के चलते तोड़े जा रहे रेल आवासों में रह रहे रेल कर्मचारियों को प्राथमिकता के आधार पर 'आउट ऑफ टर्न' खाली रेलवे आवास आवंटित करने का फैसला लिया गया।,मरम्मत एवं बुनियादी ढांचाः रेलवे आवासों का संयुक्त सर्वे कर उनकी मरम्मत कराने तथा परिसरों में नई सड़कों, नालियों और बाउंड्री वॉल के निर्माण कार्य कराने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

बैठक में मौजूद प्रमुख पदाधिकारीः

बैठक में रेलवे मजदूर कांग्रेस शहडोल से बालकृष्ण बंगारी, मो. इस्तीखार अहमद 'मिंटू',अनूपपुर से के. वी.आर.मूर्ति, महेंद्र शर्मा, किशन द्विवेदी, रविकांत राय, सुजीत कुमार मिश्रा; एसटी/एससी एसोसिएशन शहडोल सचिव लोकेश कुमार मीणा, अनूपपुर अध्यक्ष प्रमोद गौर तथा ओबीसी एसोसिएशन शहडोल सचिव सी.एल.नामदेव सहित अनेक प्रतिनिधि और कर्मचारी शामिल हुए।

सेवा सेतु अभियान: बुढ़ार विद्युत वितरण केंद्र में लगा 'सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' शिविर, 10 उपभोक्ताओं ने कराया पंजीयन





बुढ़ार। स्थानीय सब-डिवीजन विद्युत वितरण केंद्र परिसर में मंगलवार को 'सेवा सेतु अभियान' के अंतर्गत 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में विद्युत वितरण केंद्र के सहायक अभियंता सुभाष सेन, विकास गोंदूडें, धनपुरी के कनिष्ठ अभियंता कमता पटेल एवं जैतपुर के कनिष्ठ अभियंता कमलेश कुमार महरा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान रजिस्ट्रेशन अधिकारी हिमांशु पाण्डेय ने उपभोक्ताओं को योजना के प्रावधानों और लाभों की विस्तृत जानकारी दी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हर घर को सौर ऊर्जा से जोड़कर मुफ्त बिजली का लाभ पहुंचाना है। शिविर के दौरान उपभोक्ताओं में भारी उत्साह देखा गया, जिसके फलस्वरूप 10 उपभोक्ताओं ने मौके पर ही योजना के तहत अपना पंजीयन कराया। कार्यक्रम में एस.ए. सोलर (हैवेल्स, अडानी, टाटा) के प्रतिनिधियों—राकेश पासवान व अभिषेक जायसवाल—तथा अजहर एंटरप्राइजेज के एडवाइजर ने उपस्थित होकर सोलर पैनलों की कार्यप्रणाली, गुणवत्ता और तकनीकी पहलुओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

जिला प्रशासन के आयडियल रवैये से जनता हो रही परेशान



ब्यौहारी। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के समस्त पटवारी कलम बंद हड़ताल पर पटवारी ने आरोप लगाया है कि जिला प्रशासन द्वारा अनैतिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है सितंबर माह में फार्मर आईडी का काम चल रहा था जिसके तहत सुबह 9:00 बजे भारी बारिश में ग्राम पंचायत भवन पहुंचना रहता था लेकिन कोई पटवारी यदि सुबह 9:00 बजे ऑनलाइन मीटिंग में यस सर नहीं बोल पाया तो चाहे वह फिर दिन भर काम करें उसकी अनुपस्थिति कर दिया जाता था कई पटवारी के वेतन काटे गए एवं गोहपारू, जयसिंहनगर और ब्यौहारी में एक-एक पटवारी को निलंबित किया गया है और एक दिन का वेतन काटा गया है जिला प्रशासन के अड़ियल रवैया से परेशान होकर जिले के समस्त पटवारी द्वारा कलम बंद हड़ताल 21 सितंबर से की जा रही है लेकिन अभी तक पटवारी की मांग को नहीं माना गया है जिसके कारण से राजस्व विभाग से जुड़ी दर्जन भर हितग्राही मूलक योजनाएं ठप्प पड़ी हुई है धान उपार्जन का समय आ रहा है किसानो की गिरदावरी नहीं हो पा रही है क्षेत्रीय जनों ने मुख्यमंत्री एवं जिला कलेक्टर से शीघ्र हड़ताल समाप्त कराए जाने की मांग की है। हड़ताल में अध्यक्ष कल्याण सिंह, राजेंद्र द्विवेदी, मनोज मौर्य, कामता पयासी, दीक्षा मिश्रा, अखंड सिंह, पीएल प्रजापति, शिवांगी सिंह बघेल एवं तहसील व्यवहारी के समस्त पटवारी उपस्थित रहे।

कमलेश कुमार मिश्रा को दिल्ली में मिला विद्या वाचस्पति सम्मान



ब्यौहारी। उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी विद्यालय में पदस्थ व्याख्याता एवं मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल खडहुली के पूर्व प्राचार्य कमलेश मिश्रा को महर्षि सत्य सनातन हिंदी विद्यापीठ बनारस द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में महामंडलेश्वर निराला निरंकार आनंद जी कल अध्यक्ष योगेश त्रेहन, राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश मिश्रा एवं कुलपति डॉ रवि द्विवेदी की उपस्थिति में विद्या वाचस्पति सम्मान से सम्मानित किया गया विद्या वाचस्पति सम्मान पीएचडी के समतुल्य माना जाता है इस गौरवपूर्ण सम्मान से मिश्रा ने अपने परिवार का नाम रोशन किया है मिश्रा हमेशा पठन-पाठन में गहन रुचि रखते हैं वह ब्यौहारी-के पास ग्राम ऊफरी के रहने वाले हैं उनकी इस उपलब्धि पर प्राचार्य एक्सीलेंस रामदुलारे प्रजापति, राकेश मिश्रा,डॉ प्रतिभा चतुर्वेदी, राजेंद्र मिश्रा, डॉ नीलेश मिश्रा, राजेश कुमार कोल एवं समस्त विद्यालय स्टाफ ने शुभकामनाएं प्रेषित की है

सेवा मेरा योगदान अभियान के तहत सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली आयोजित





उमरिया। सेवा संकल्प अभियान-2026 अंतर्गत संचालित सेवा मेरा योगदान अभियान के तहत गत दिवस सडक़ सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी ने पुलिस कंट्रोल रूम परिसर से सडक़ सुरक्षा जागरूकता बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाइक रैली पुलिस कंट्रोल रूम से प्रारंभ होकर रमपुरी तिराहा, रणविजय चौक, गांधी चौक, जय स्तंभ चौक, पुराना बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन चौराहा होते हुए शासकीय रणविजय कॉलेज पहुंची। रैली के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों का पालन करने तथा सडक़ पर सुरक्षित आवागमन के प्रति जागरूक किया गया। इसके पश्चात शासकीय रणविजय कॉलेज में छात्र-छात्राओं के लिए सडक़ सुरक्षा विषय पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों से यातायात नियमों का पालन करने तथा राहवीर एवं गुड सेमेरिटन योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी। जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती रमा दुबे एवं थाना यातायात प्रभारी प्रियंका शर्मा ने भी छात्र-छात्राओं को सडक़ सुरक्षा एवं यातायात नियमों के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान जिला परिवहन विभाग के सहयोग से पात्र छात्र-छात्राओं के निःशुल्क लर्निंग लाइसेंस भी बनाए गए। थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा कॉलेज के छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव एवं साइबर सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा संबंधी पंपलेट वितरित कर जागरूक किया गया।

अलग-अलग स्थानों में मारपीट की हुई घटनाएं

कटनी। अलग अलग थाना क्षेत्रों में मारपीट की घटनायें हुई। उमरियापान थाना के ग्राम मंगेली में फरियादी चन्द्रभान सिंह गौड 43 वर्ष से उनके बेटे शुभम सिंह गौड ने शराब पीने के लिए पैसों की मांग की। पिता द्वारा पैसे देने से मना करने पर आरोपी शुभम ने गालियां देते हुए अपने ही पिता के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। इसी तरह थाना रंगनाथ नगर क्षेत्र के कावसजी वार्ड में अड़ीबाजी की घटना सामने आई है। ग्राम बनवार निवासी शशि चौधरी 29 वर्ष से आरोपी राजा मदारी रैकवार 36 वर्ष ने शराब पीने के लिए पैसों की मांग की। शशि द्वारा मना करने पर आरोपी ने गालियां दीं और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपित को नामजद कर जांच शुरू कर दी है। वहीं कोतवाली थाना अंतर्गत कुठला बस्ती के कोरी मोहल्ला में महिला से मारपीट की गई। प्रार्थिया सीता कोरी 37 वर्ष के साथ पड़ोस के दो युवकों ने मारपीट की। आरोपी संदीप साहू और विशाल कोरी दोनों निवासी कुठला बस्ती ने एक राय होकर महिला को गालियां दीं, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला पंजीकृत किया है।

खबर संक्षेप



सड़क हादसे में रोहित तिवारी सोनू का निधन पत्रकारों ने जताया शोक

अनूपपुर। पत्रकार अमित तिवारी के बड़े भाई रोहित तिवारी उर्फ सोनू का सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पत्रकार जगत एवं परिचितों में शोक की लहर है। रोहित तिवारी के असामयिक निधन पर राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद शहडोल संभागीय इकाईए जिला अनूपपुर इकाई तथा ब्लॉक इकाई अनूपपुरए कोतमाए जैतहरी एवं पुष्पराजगढ़ ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में पूरा पत्रकार परिवार अमित तिवारी एवं उनके शोकाकुल परिजनों के साथ खड़ा है। परिषद ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। परिषद की ओर से दिवंगत रोहित तिवारी उर्फ सोनू को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शांति की प्रार्थना की गई।

जनसुनवाई में 45 आवेदन, त्वरित निराकरण के निर्देश



अनूपपुर। कलेक्ट्रेट के नर्मदा सभागार में मंगलवार को हुई जिला स्तरीय जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी और अपर कलेक्टर बलवीर रमन ने 45 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का परीक्षण कर नियमानुसार त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में भू.धारणा अधिकारए निराश्रित अनुदानए लाड़ली लक्ष्मी योजनाए भू.अभिलेख में नक्शा सुधार और फार्मर आईडी से जुड़े मामले सामने आए। वार्ड क्रमांक 10 शांति नगर निवासी सुमनलता सतनामी ने भू.धारणा अधिकार के तहत अधिकार.पत्र दिलानेए जबकि वार्ड क्रमांक 11 निवासी कृष्णा सोनी ने निराश्रित अनुदान योजना का लाभ दिलाने के लिए आवेदन दिया। ग्राम पंचायत बरीं निवासी भीमसेन महरा ने लाड़ली लक्ष्मी योजना की राशि दिलाने तथा पुष्पराजगढ़ तहसील के ग्राम बहपुर निवासी रिसीलाल ने भू.अभिलेख में नक्शा सुधार की मांग की। वहीं कोतमा तहसील के ग्राम कोठी निवासी जगदीश प्रसाद प्रजापति ने फार्मर आईडी में कृषक की भूमिका दर्ज करने और अन्य कृषकों की आईडी जोड़ने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। अधिकारियों ने आवेदनों पर पात्रतानुसार कार्रवाई कर संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में एसडीएम प्राशी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्कूल कॉलेजों की 100 मीटर परिधि में नशे का खेल होगा बंद या सिर्फ कागजों में चलेगा अभियान

नारकोटिक्स समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

मेडिकल स्टोर से लेकर शैक्षणिक संस्थानों के आसपास दुकानों की जांच के आदेश

अनूपपुर। जिले में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने एक बार फिर सख्ती के निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट के नर्मदा सभागार में हुई नारकोटिक्स को.ऑर्डिनेशन समिति की बैठक में कलेक्टर रत्नाकर झा ने शैक्षणिक संस्थानों की 100 मीटर परिधि में नशीले पदार्थों की बिक्री पर प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए। सवाल यह है कि जिन स्थानों पर बच्चों और युवाओं की आवाजाही सबसे अधिक हैए वहां अब तक नियमित निगरानी कितनी हुई और नियम तोड़ने वालों पर कितनी कार्रवाई की गईघ कलेक्टर ने विद्यालयोंए महाविद्यालयों और छात्रावासों के आसपास स्थित दुकानों की नियमित जांच कराने के निर्देश दिए हैं। किसी भी दुकान पर नशीले अथवा मादक पदार्थों की बिक्री पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया है। इसके साथ ही जिले में नशीले पदार्थों के अवैध उपयोगए भंडारण और विक्रय पर नियंत्रण के लिए पुलिस और प्रशासन को आपसी समन्वय से लगातार अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

मेडिकल स्टोर भी जांच के दायरे में

बैठक में खास तौर पर औषधीय दवाओं के दुरुपयोग को लेकर चिंता जताई गई। कलेक्टर ने मेडिकल स्टोरों की सघन जांच करने तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के



निर्देश दिए। विशेष रूप से शेड्यूल ष्एक्सष श्रेणी की दवाओं के क्रय.विक्रयए भंडारण और वितरण की जांच करने को कहा गया। यानी अब निगरानी केवल सड़क किनारे बिकने वाले नशीले पदार्थों तक सीमित नहीं रहेगीए बल्कि दवाओं के जरिए होने वाले नशे के संभावित नेटवर्क पर भी नजर रखने की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी। ऐसे में ड्रग विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई कितनी नियमित होती हैए यह आने वाले दिनों में महत्वपूर्ण होगा।

जागरूकता के साथ कार्रवाई पर जोर

कलेक्टर ने सामाजिक न्याय विभाग को नियमित नशामुक्ति कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में नशामुक्ति अभियान चलानेए भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों को जागरूक करने को कहा गया। लेकिन नशे के खिलाफ सिर्फ जागरूकता कार्यक्रम पर्याप्त नहीं होंगे। युवाओं तक नशीले पदार्थ पहुंचाने वाले स्त्रोतों पर कार्रवाई और बिक्री के नेटवर्क को तोड़ना भी उतना ही जरूरी है। प्रशासन ने बैठक में इसी दिशा में नियमित चेकिंग और प्रभावी कार्रवाई पर जोर दिया है।

पुलिस बोली.कार्रवाई जारीए लेकिन निगरानी बढ़ेगी

पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने कहा कि नशे के दुरुपयोग की रोकथाम के लिए जन.जागरूकता जरूरी है। उन्होंने आवश्यकता के अनुसार पुलिस अधिकारियों का सहयोग लेकर व्यापक अभियान चलाने की बात कही। पुलिस विभाग द्वारा नशीले पदार्थों के अवैध उपयोग और कारोबार की रोकथाम के लिए कार्रवाई किए जाने की जानकारी भी दी गई।

अब सबसे बड़ा सवाल 100 मीटर की सीमा की निगरानी करेगा कौनघ

बैठक में निर्देश स्पष्ट हैंए विभाग भी तय हैं और कार्रवाई की जिम्मेदारी भी। अब निगाह इस बात पर रहेगी कि स्कूल.कॉलेजों के आसपास 100 मीटर की परिधि का वास्तविक सत्यापन कब होगाए कितनी दुकानों की जांच होगीए कितने उल्लंघन सामने आएंगे और दोषियों पर कितनी कार्रवाई होगी। यदि अभियान केवल बैठकोंए जागरूकता कार्यक्रमों और कागजी जांच तक सीमित रहा तो नशे के खिलाफ यह मुहिम भी औपचारिकता बनकर रह जाएगी। असली असर तभी दिखाई देगा जब नशे की सप्लाई लाइन पर कार्रवाई हो और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नियमित निगरानी जमीन पर नजर आए।

अनूपपुर जिला न्यायालय में 14 कोर्ट रूम के निर्माण को 44.85 करोड़ मंजूर

हाईकोर्ट एडवोकेट दीपक पांडेय की पैरवी के बाद मामले में महत्वपूर्ण प्रगति 15 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

अनूपपुर। जिला न्यायालय की न्यायिक अधोसंरचना के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अनूपपुर जिला न्यायालय में 14 कोर्ट रूम के विकास एवं निर्माण के लिए राज्य सरकार ने 44 करोड़ 85 लाख की राशि स्वीकृत की है। इस मामले में हाईकोर्ट एडवोकेट दीपक पांडेय द्वारा की गई पैरवी के बाद प्रकरण में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। मध्यप्रदेश हाईकोर्टए जबलपुर में डब्ल्यूएपी क्रमांक 6278ध्2025 की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से स्वीकृति संबंधी दस्तावेज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए। 30 सितंबर 2026 को हुई सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता की ओर से बताया गया कि विधि एवं विधायी कार्य विभाग के सचिव द्वारा 24 सितंबर 2026 को जारी संचार तथा 7 सितंबर 2026 की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई है। न्यायालय ने दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लेने के निर्देश दिए।

लंबित परियोजनाओं की भी मांगी जानकारी

मामले में हाईकोर्ट के पूर्व आदेश के पैरा 17 के अनुपालन में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट एवं जिला न्यायालयों की लंबित परियोजनाओं की सूची भी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई। न्यायालय ने मामले से जुड़े एमिकस क्यूरी को इन परियोजनाओं का अध्ययन कर उनकी वर्तमान स्थिति की तालिकाबद्ध रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के साथ ही



इसकी एक प्रति महाधिवक्ता को भी उपलब्ध कराई जाएगी। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि बजट स्वीकृत होने के बाद राज्य सरकार के संबंधित विभाग अब आगे की कार्रवाई प्रारंभ करेंगे। मामले की अगली सुनवाई के लिए 15 अक्टूबर 2026 की तारीख निर्धारित की गई है।

न्यायिक अधोसंरचना को मिलेगा विस्तार

14 नए कोर्ट रूम के निर्माण से अनूपपुर जिला न्यायालय में न्यायिक कार्यों के संचालन के लिए अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होगा। इससे न्यायालय की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलने की उम्मीद है। 44ण्85 करोड़ की स्वीकृति को जिले की न्यायिक अधोसंरचना के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मामले में हाईकोर्ट एडवोकेट दीपक पांडेय की पैरवी और प्रयासों के बाद मिली इस स्वीकृति को प्रकरण की महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

मारपीट और जान से मारने की धमकी के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं करने का आरोप

पीड़ित उत्तम कुमार सिंह ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

कहा थाने में आवेदन लेने के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

बदराध्जमुना। सामूहिक रूप से गाली.गलौजए बुरी तरह मारपीट और जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में कार्रवाई नहीं होने से परेशान एक पीड़ति ने पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब से न्याय की गुहार लगाई है पीड़ति उत्तम कुमार सिंह ने आरोप लगाया है कि घटना के बाद वह थाना भालूमाड़ा में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचेए लेकिन उनकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई। बाद में जब उन्होंने ई.एफआईआर कर उसकी प्रति लेकर थाने में कार्रवाई के लिए प्रस्तुत कीए तो उसे भी स्वीकार नहीं किया गया। पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन के अनुसार उत्तम कुमार सिंह ने बताया कि 28 सितंबर की शाम करीब 7 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल से घर की ओर जा रहे थे इसी दौरान ऑपरेटिव बाजारए जमुना कॉलरी में एक महिला रास्ते में खड़ी थी हॉर्न बजाने के बाद महिला के रास्ते से नहीं हटने पर विवाद की स्थिति बनी आरोप है कि महिला के परिजन एवं अन्य लोगों ने उनके साथ गाली.गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी और जान से मारने का प्रयास किया। पीड़ति के अनुसार घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआए जिसमें कुछ लोग उसके साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं आवेदन में कहा गया है कि वीडियो में एडिट कर कुछ आपत्तिजनक बातें लिखते हुए उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। उत्तम कुमार सिंह ने आवेदन में बताया कि आरोपियों ने उसे बुरी तरह पीटाए जिससे उसके सिरए आंख और छाती में गंभीर चोटें आई हैं उनका आरोप



है कि हमला जान से मारने के उद्देश्य से किया गया था उन्होंने बताया कि घटना के दौरान कुछ लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास भी कियाए लेकिन आरोपियों द्वारा उनके साथ मारपीट जारी रखी गई। आवेदन में उत्तम सिंह ने आरोप लगाया है कि महिला सहित अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी भी दी। उन्होंने बताया कि घटना के समय मौके पर काफी भीड़ मौजूद थी।

पीड़ति के मुताबिक घटना के बाद उन्होंने 28 सितंबर एवं 29 सितंबर को थाना भालूमाड़ा में उपस्थित होकर आवेदन दियाए लेकिन उनकी रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई और न ही उन्हें आवेदन की प्राप्ति दी गई। उनका कहना है कि घटना में लगी चोटों के बावजूद उनका मेडिकल परीक्षण भी तत्काल नहीं कराया गया। पीड़ति ने बताया कि वह वन विभाग में वनरक्षक के पद पर कार्यरत हैं और घटना के दिन अवकाश पर थे उन्होंने आवेदन में बताया कि मारपीट के कारण उन्हें गंभीर चोटें आई हैं तथा उन्हें अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है। उत्तम सिंह ने बताया कि पुलिस से अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने 2 अक्टूबर को ई.एफआईआर भी दर्ज कराई इसके बाद वह ई.एफआईआर की प्रति लेकर थाना भालूमाड़ा पहुंचेए लेकिन उनका आरोप है कि वहां भी रिपोर्ट की प्रति स्वीकार नहीं की गई और मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई आगे नहीं बढ़ाई गई। आवेदन में उन्होंने बताया कि उन्हें आरोपियों के नामों की पूरी जानकारी तत्काल नहीं थी। उन्होंने महिला का नाम केतकी तथा एक युवक का नाम घनश्याम बताया है वहीं अन्य आरोपियों की पहचान और नाम बाद में सामने आने की बात आवेदन में कही गई है। लगातार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से परेशान उत्तम कुमार सिंह ने अब पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब को आवेदन देकर पूरे मामले में हस्तक्षेप की मांग की है उन्होंने घटना की गंभीरता को देखते हुए सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाईए घटना की जांच तथा उन्हें सुरक्षा एवं न्याय दिलाने की मांग की है। आवेदन के साथ पीड़ति ने थाना भालूमाड़ा में दिए गए आवेदन की छायाप्रतिए अनुविभागीय अधिकारी पुलिस को दिए आवेदन की प्रति तथा ई.एफआईआर की प्राप्ति भी संलग्न की है। पीड़ति का कहना है कि पुलिस अधीक्षक स्तर से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई होने पर ही उसे न्याय मिलने की उम्मीद है।

रानी प्रभा कुमारी स्टेडियम में जगतगुरु माऊली सरकार फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

भेजरी में अंतरराज्यीय फुटबॉल का रोमांच शुरू, देशभर से पहुंचेंगे खिलाड़ी

राजेन्द्रग्राम। ग्राम जोड़ो अभियान के तहत पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भेजरी स्थित रानी प्रभा कुमारी फुटबॉल स्टेडियम में रविवार को जगतगुरु माऊली सरकार अंतरराज्यीय फुटबॉल प्रतियोगिता.2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। नर्मदांचल वीर युवा संगठन पुष्पराजगढ़ के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों की फुटबॉल टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर दो मुकाबलों ने मैदान में फुटबॉल का रोमांच बढ़ा दिया। हर वर्ष आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में इस बार भी विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से खिलाड़ी भेजरी पहुंचेंगे। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को बड़े मंच पर अपनी क्षमता दिखाने का अवसर उपलब्ध कराना और युवाओं को खेलों से जोड़ना है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों के लिए पंजीयन की प्रक्रिया 25 सितंबर तक पूरी की गई। आयोजकों के मुताबिक बड़ी संख्या में टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए



पंजीयन कराया है। अंतरराज्यीय स्तर की टीमों की मौजूदगी के चलते इस बार मुकाबले और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक होने की उम्मीद है। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में विजेता टीम को 51 हजार रुपए नकद और विजेता ट्रॉफीए जबकि उपविजेता टीम को 25 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा प्रतियोगिता खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर भी देगी। प्रतियोगिता की शुरुआत जूनियर बालिका वर्ग के मुकाबलों से की गई है। इसके बाद जूनियर पुरुष वर्ग के मुकाबले होंगे। क्वालीफायर मुकाबलों के बाद सीनियर वर्ग की टीमें मैदान में उतरेंगी। इसके बाद बाहर से आने वाली टीमों के बीच भी लगातार मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का सिलसिला करीब एक माह तक चलेगा। प्रतियोगिता के आयोजक एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने कहा कि भेजरी में यह फुटबॉल प्रतियोगिता कई वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही है। हर वर्ष देश के अलग.अलग हिस्सों से खिलाड़ी इसमें हिस्सा लेने पहुंचते हैं। उनका कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं हैए जरूरत उन्हें उचित मंच उपलब्ध कराने की है। इसी उद्देश्य से प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के दौरान रानी प्रभा कुमारी स्टेडियम में बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रेमियों के पहुंचने की उम्मीद है। आगामी दिनों में होने वाले मुकाबलों के साथ भेजरी का मैदान फुटबॉल के रोमांच से गुलजार रहेगा। शुभारंभ अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉण मदन त्रिपाठीए रंजीत सर्राटीए जिला मंत्री राजेश सराठियाए किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश मिश्राए अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष बब्बू चंद्रवंशीए कार्यालय मंत्री चंद्रिका द्विवेदीए युवा मोर्चा जिला मंत्री प्रदीप मिश्राए भेजरी सरपंच भागवती तेंद्रो सहित जनप्रतिनिधिए खिलाड़ी और बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रेमी ग्रामीण मौजूद रहे।

भवन अनुज्ञा और राजस्व वसूली पर कलेक्टर की सख्ती, निकायवार होगी जवाबदेही

बिना अनुमति निर्माण पर कार्रवाई के निर्देशए वार्डवार राजस्व वसूली की बनेगी कार्ययोजना

अनूपपुर। नगरीय निकायों में भवन निर्माण की अनुमति से लेकर राजस्व वसूली तक की व्यवस्था को लेकर कलेक्टर रत्नाकर झा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। मंगलवार को कलेक्ट्रेट के नर्मदा सभागार में हुई नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि भवन अनुज्ञा के मामलों में निर्धारित नियमों और प्रक्रिया का पालन अनिवार्य रूप से कराया जाए। बिना आवश्यक अनुमति के किए जा रहे निर्माण की नियमित निगरानी कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए और भवन अनुज्ञा से जुड़े प्रकरणों का समय.सीमा में निराकरण किया जाए। कलेक्टर ने नगरीय निकायों की राजस्व वसूली की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप संपत्ति करए जलकर सहित अन्य करों और शुल्कों की वसूली समय पर सुनिश्चित की जाए। इसके लिए वार्डवार कार्ययोजना तैयार कर नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन क्षेत्रों में राजस्व वसूली अपेक्षित स्तर से कम हैए वहां विशेष अभियान चलाकर लक्ष्य हासिल करने को कहा गया।

बिना अनुमति निर्माण पर नजर रखने के निर्देश

भवन अनुज्ञा की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण के लिए तय नियमों का पालन कराया जाए।



बिना अनुमति या निर्धारित प्रक्रिया का उल्लंघन कर किए जा रहे निर्माण पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही अनुमति से संबंधित लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण किया जाएए ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो।

राजस्व बढ़ेगा तो मजबूत होंगे निकाय

कलेक्टर ने कहा कि नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में राजस्व वसूली की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए राजस्व के सभी स्त्रोतों पर प्रभावी निगरानी जरूरी है। बकायादारों से नियमानुसार वसूली की कार्रवाई करने तथा कम वसूली वाले क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अधिकारी नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करें। राजस्व वसूली में लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

स्वच्छताए पेयजल और नागरिक सुविधाओं की भी समीक्षा

बैठक में नगरीय निकायों में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के साथ निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निकाय क्षेत्रों में स्वच्छताए पेयजलए प्रकाश व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को अपने.अपने निकायों में लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर समय.सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कार्यप्रणाली में पारदर्शिताए जवाबदेही और समयबद्धता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। बैठक में अपर कलेक्टर बलवीर रमन सहित जिले के सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने निकायवार भवन अनुज्ञाए राजस्व वसूली और योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की जिसके आधार पर कलेक्टर ने आवश्यक दिशा.निर्देश दिए।